सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 73 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 16 अप्रैल, 2022
मूल्य ₹ 3/-

अपना भाग्य स्वयम नियंत्रित करिए नहीं तो कोई और करने लगेगा।
- जैक वेल्च

चार राज्यों के उपचुनाव में बीजेपी... 2 | पांच साल का एक्शन प्लान तैयार... 3 | भाजपा राज में आत्महत्या को... 7

चौबीस घंटे में सात हत्याओं से दहला प्रयागराज, एक ही ब्राह्मण परिवार के पांच लोगों की बेरहमी से हत्या

विपक्ष ने पूछा, कहां है बुलडोजर

» दो साल पहले भी एक ब्राह्मण परिवार के पांच लोगों की हत्या से हुआ था यूपी भर में हंगामा

» दो और हत्याएं हुईं प्रयागराज में, इन नृशंस हत्याओं से यूपी में सनसनी, विपक्ष हमलावर

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। प्रयागराज चौबीस घंटे में सात हत्याओं से दहल उठा। यहां के खागलपुर गांव में एक ब्राह्मण परिवार के पांच लोगों और गंगापार स्थित सोरांव थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में महिला और प्रापर्टी डीलर की हत्या कर दी गयी। इससे प्रदेश में सनसनी फैल गयी है। एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम के साथ आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। वहीं विपक्ष ने प्रदेश में लगातार बढ़ रहे अपराधों को लेकर यूपी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। विपक्ष ने पूछा है कि आखिर सरकार का बुलडोजर कहां चल रहा है।

भादवा सिराथू थाना कोखराज निवासी 42 वर्षीय राहुल तिवारी, पत्नी प्रीति और तीन बेटियों के साथ नवाबगंज के खागलपुर गांव में सुरेश कुमार तिवारी के मकान में किराए पर रहता था। वह दुधारू पशुओं का व्यापार करता था। आज सुबह जब काफी देर तक घर का दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों को शक हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो सन्न रह गई। राहुल तिवारी की लाश फंदे से लटक रही थी जबकि उसकी पत्नी प्रीति और तीन बेटियों माही (12) पीहू (7) और पोहू (5)की रक्तरंजित लाश बेड पर पड़ी थी। मौके से एक चापड़ मिला है। इन चारों की गला रेतकर हत्या की गई थी। घटना पर सपा ने ट्वीट किया, प्रयागराज में राहुल तिवारी समेत उनके परिवार के पांच लोगों की धारदार हथियार से हत्या विचलित करने वाली है। समूचा यूपी अपराधियों से कांप रहा। सीएम बताएं उनका बुलडोजर आखिर कहां चल रहा है। वहीं मलाक चौधरी गांव निवासी मुकेश सरोज का पत्नी निरंजन देवी से विवाद हो गया। आरोप है कि मुकेश ने उसके सिर में नुकीली वस्तु से वार किया. जिससे निरंजन देवी की मौत हो गई जबकि बारी गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर रामबाबू 55 वर्ष की भी हत्या कर दी गई।

» प्रयागराज में ब्राह्मण परिवार के पति, पत्नी और तीन मासूम बच्चियों की कर दी गई निर्मम हत्या

क्या कहना है एसएसपी का

एसएसपी अजय कुमार का कहना है कि राहुल का शव लटका मिला है। शव पर किसी तरह की चोट के निशान नहीं मिले हैं। जहां शव लटका मिला है वहां एक दूसरे पर तीन कुर्सियां रखी थीं। इससे ऐसा लगता है कि उसने आत्महत्या कर ली हो। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि राहुल की मौत कैसे हुई जबकि पत्नी और बच्चों की हत्या धारदार हथियार से की गयी है। दोनों एंगल पर पुलिस जांच कर रही है। जांच के लिए सात टीमों का गठन किया गया है। परिजनों का कहना है कि राहुल का ससुराल पक्ष से विवाद चल रहा है। उस बिंदु पर भी जांच होगी। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जांच के आदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए शोक जाहिर किया है। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर निष्पक्षता के साथ जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कारवाई के निर्देश दिए हैं।

कभी ब्राह्मणों की हत्या पर होते थे लाल-पीले, मंत्री बन गए तो साध लिया मौन

यह पहले की बात है जब ब्राह्मणों की हत्या से लाल पीले हो जाते थे जितिन प्रसाद। वे सरकार पर पांच सौ ब्राह्मणों की हत्या का आरोप लगाते थे। अब जब पीडब्ल्यूडी के मंत्री हो गये हैं तो प्रयागराज में ब्राह्मण परिवार के पांच लोगों की हत्या पर संवेदना का ट्वीट तक करने का समय उनके पास नहीं है। तो क्या ऐसे आरोपों के बाद मंत्री बन गये, तो अब सब खत्म?

भाजपा राज में, यूपी डूबा अपराध में: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रयागराज में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या को लेकर प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए ट्वीट किया, भाजपा 2.0 के राज में, यूपी डूबा अपराध में। इसके साथ ही उन्होंने आज का अपराधनामा लिखते हुए इस हत्याकांड की सूचना पोस्ट की है।

“ प्रयागराज में एक ही परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या से रुह कांप गयी है। विभिन्न संगठनों की मांग पर सीएम योगी ने उच्च स्तरीय जांच बैठायी है। अधिकारी निष्पक्ष जांच करे। हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सुनील भराला, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश श्रम कल्याण परिषद व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री

“ प्रयागराज में एक परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी गयी। चुनाव समाप्त होते ही भाजपा सरकार में हत्याएं बढ़ने लगी हैं। महिला अपराध बढ़ते जा रहे हैं। इससे यूपी के लोग दहशत में हैं।

दीपक सिंह, एमएलसी, कांग्रेस

“ प्रदेश में जंगलराज है। रोज हत्याएं और लूटपाट हो रही है। अब प्रयागराज में ब्राह्मण परिवार के पांच लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गयी। सरकार को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

भाजपा की ध्वस्त कानून व्यवस्था को पांच साल और झेलने के लिए प्रदेश फिर से अभिशप्त है। गुंडों, अपराधियों को न पहले खौफ था, न अब है। अपराध के ग्राफ के बढ़ने के साथ इसमें जातीय पैटर्न भी दिखता है, जिसका जवाब यूपी के अफसर कभी नहीं देते।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता आप

उत्तर प्रदेश में दो वर्ष के भीतर ग्लोबल इन्वेस्टर समिट कराएगी योगी सरकार

» दस लाख करोड़ रुपये निवेश का रखा गया है लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अगले दो वर्ष के भीतर उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन करेगी। इस बार हमें 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश के लक्ष्य के साथ काम करना है। यह ग्लोबल इन्वेस्टर समिट नए यूपी की आकांक्षाओं को उड़ान देने वाली होगी। इस संबंध में सभी जरूरी तैयारियां शीर्ष प्राथमिकता के साथ पूरी की जाएं। सीएम योगी ने निवेश परियोजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए अगले 100 दिन के भीतर प्रदेश में तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित करने का निर्देश दिया है। औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को और नियोजित रूप देने के लिए अगले 100 दिन के भीतर अटल औद्योगिक अवस्थापना मिशन शुरू करने की तैयारी करने का निर्देश दिया है।

मंत्रिपरिषद के समक्ष अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास सेक्टर के 11 विभागों की भावी कार्ययोजनाओं के प्रस्तुतीकरण के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले पांच वर्ष में बैंकों के सहयोग से प्रदेश के वार्षिक क्रेडिट को पांच लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का प्रयास हो। इससे लगभग पांच करोड़ रोजगार सृजित होंगे। अगले तीन माह में एक वृहद ऋण मेले का आयोजन हो,

जिसमें बैंकों के माध्यम से न्यूनतम एक लाख उद्यमियों को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखें। मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण (यीडा) में टाय पार्क की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी अगले 100 दिनों के भीतर करने का निर्देश दिया। यीडा के मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाए। अगले दो वर्षों में गोरखपुर में गारमेंट और प्लास्टिक पार्क शुरू करने की तैयारी करने की हिदायत दी।

दुनिया को उत्तर प्रदेश फिल्म सिटी का इंतजार

सीएम योगी ने कहा कि देश और दुनिया की इंफोटेनमेंट इंडस्ट्री उत्त प्रदेश की फिल्म सिटी की प्रतीक्षा कर रही है। फिल्म सिटी पूरी दुनिया को हमारा उपहार होगी। यह रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बनेगी। उन्होंने छह माह में परियोजना के विकासकर्ता का चयन करते हुए अगले दो वर्ष में संपूर्ण भूमि का हस्तांतरण पूरा करने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान/ मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार/ ओडीओपी योजना के अंतर्गत 50,000 परंपरागत कारीगरों को प्रशिक्षित किया जाए। पांच वर्ष में न्यूनतम पांच लाख कारीगरों को प्रशिक्षित करते हुए टूल किट प्रदान करने का लक्ष्य रखें।

नई औद्योगिक नीति जल्द लाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश के माहौल को और बेहतर करने के लिए नियमों में समय के अनुसार बदलाव किए जाने जरूरी हैं। यथाशीघ्र राज्य की नई औद्योगिक नीति तैयार की जाए। इलेक्ट्रिक वाहन नीति, वेयरहाउसिंग लाजिस्टिक नीति तथा डिफेंस व एयरोस्पेस नीति को अपडेट किया जाए। स्टार्टअप नीति, इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति, डाटा सेंटर नीति में सुधार अपेक्षित है। सभी पक्षों से संवाद कर अच्छी नीति तैयार करें।

बेटे व हजारों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो सकते है शिवपाल!

» विधायक शिवपाल सिंह यादव सपा से चल रहे है नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य शिवपाल सिंह यादव ने अपना अगला कदम लगभग तय कर लिया है। उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद से ही समाजवादी पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे शिवपाल सिंह यादव ने अपनी अलग पार्टी भी बना ली थी, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के सिंबल पर विधायक बनने वाले खांटी नेता अब भारतीय जनता पार्टी में जल्द शामिल हो सकते हैं। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद अब नेताजी के छोटे भाई शिवपाल भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई है।

शिवपाल सिंह यादव जल्द भाजपा की सदस्यता लेने की संभावना जताई जा रही है। शिवपाल यादव अपने पुत्र आदित्य यादव और हजारों समर्थकों के साथ शिवपाल भाजपा की सदस्यता ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रभारी की मौजूदगी में शिवपाल सिंह यादव अपने बेटे आदित्य यादव तथा समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे। सूत्रों का कहना है कि शिवपाल सिंह यादव नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता लेंगे। इससे पहले शिवपाल सिंह यादव ने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया की बैठक के अपनी सभी राज्य कार्य समितियों, राष्ट्रीय और राज्य कार्य प्रकोष्ठों और प्रवक्ताओं को भंग कर दिया है।

बंटा हुआ देश कभी दुनिया पर राज नहीं कर पाएगा : खुर्शीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के कुछ राज्यों में सांप्रदायिक हिंसा के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि एक विभाजित राष्ट्र कभी भी दुनिया पर राज नहीं कर पाएगा। दरअसल खुर्शीद ने यह बात रामनवमी पर मध्य प्रदेश के खरगोन में हुई हिंसा को लेकर कही और साथ ही सरकार से लोगों के बीच डर की जगह विश्वास बढ़ाने की बात कही।

खुर्शीद ने मध्य प्रदेश के खरगोन में सांप्रदायिक झड़पों के एक दिन बाद रामनवमी के जुलूस पर हुए हमले में शामिल कुछ लोगों के घरों को तोड़े जाने का जिक्र करते हुए एक फेसबुक पोस्ट की। उन्होंने लिखा मुसलमान, हमेशा की तरह राष्ट्र के लिए अपनी जान दे देंगे। लेकिन जब उनके बच्चों पर बेवजह नफरत से हमला किया जाता है, तो उन्हें दुख होता है। जब राज्य सरकार कानून के शासन को दरकिनार कर घरों को नष्ट करने का विकल्प चुनता है और देशभक्ति के लिए क्या सम्मान बचा है? भाजपा पर कटाक्ष करते हुए खुर्शीद ने आगे कहा कि एक विभाजित राष्ट्र कभी भी दुनिया पर शासन नहीं कर सकता, इसलिए घर पर फूट डालो और राज करो की नीति को छोड़ दें।

जिनकी पहचान नहीं, उन्हें दिए गए टिकट इसलिए यूपी में कांग्रेस बुरी तरह हारी

» यूपी चुनाव में हार पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का फूटा गुबार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में मिली करारी हार के कारण जानने के लिए आये तो उनके सामने पार्टी कार्यकर्ताओं का गुबार फूटा और दर्द भी छलका। प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में हुई जिलेवार बैठकों के दौरान पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें बताया कि चुनाव में बड़े पैमाने पर कांग्रेस प्रत्याशियों का चयन दोषपूर्ण था।

जिनकी कोई पहचान नहीं थी, उन्हें टिकट दिये गए। टिकट वितरण में धांधली और लेनदेन को लेकर भी कार्यकर्ताओं ने शिकायत की। कार्यकर्ताओं का यह भी कहना था कि बूथ और ग्राम कमेटियों की बात तो छोड़िए, न्याय पंचायत स्तर पर भी पार्टी संगठन सिर्फ कागजों पर था। संगठन के कार्य से जुड़े प्रदेश पदाधिकारियों ने और राष्ट्रीय सचिवों ने पार्टी नेतृत्व को गुमराह किया। कार्यकर्ताओं ने चुनाव में पार्टी महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा की मेहनत को तो सराहा लेकिन उनके करीबियों की निरंकुशता की आलोचना की। कुछ कार्यकर्ताओं ने महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने के औचित्य पर सवाल उठाया और इसे राजनीतिक अनाड़ीपन करार दिया।

राष्ट्र के लिए पार्टी छोड़ी है, परिवार नहीं : अपर्णा

» भाजपा राज में महिलाएं सुरक्षित, विपक्षियों को उनकी भाषा में मिलेगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा में भरपूर सम्मान मिला और नीतियां भी जनहित की है। भाजपा में हर वर्ग का सम्मान है और महिलाएं भी सुरक्षित हैं। यह बात अपर्णा यादव ने कन्नौज में भाजपाइयों से कही। लखनऊ से औरैया के बिधूना में निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भाजपा की अपर्णा यादव जा रही थी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के फगुआ भट्ठा टोल प्लाजा पर भाजपाइयों ने उनका काफिला रोक लिया। भाजपा नेता सौरभ गुप्ता ने प्रतीक चिन्ह दिया।

इसके बाद मांग करते हुए कहा कि फगुआ भट्ठा पर एक्सप्रेस-वे से पैदल यात्रियों के लिए नीचे उतरने को कोई रास्ता नहीं है। लिंक रोड से दूरी ज्यादा पड़ जाती। इससे यात्री पत्थरों के सहारे नीचे उतरते हैं। पत्थर से फिसलकर कई बार यात्री घायल हो चुके। इससे यहां पर सीढ़ी का निर्माण कराया जाए। मांगों को पूरा कराने का भरोसा दिया। इसके बाद अपर्णा यादव ने कहा कि भाजपा राज में महिलाएं सुरक्षित है। खुद भी भाजपा में आने के बाद खुश हैं। उन्होंने योगी सरकार की योजनाओं की तारीफ की। इसके बाद वे बिधूना पहुंचीं, बिधूना के रामलीला मैदान में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के 42वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपर्णा ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान विपक्षी कहते थे कि सन्यासी को मठ भेजने का समय आ गया है। उन्हें इसका जवाब प्रचंड बहुमत से योगी सरकार दोबारा बनाकर लोकतंत्र ने दिया है। अब मुख्यमंत्री लट्ठ बजाने का काम करेंगे। विपक्षियों को उनकी भाषा में ही जवाब मिलेगा। जो शुरू भी चुका है। सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू व भाजपा नेता अपर्णा यादव ने कहा कि मैं यादव कुल की बहू हूं। मैंने परिवार नहीं छोड़ा है सिर्फ राष्ट्रवाद के लिए पार्टी छोड़ी है। अपर्णा ने मंच संभालते ही कार्यकर्ताओं व समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने जो काम किया और जो कर रही है, वह कोई नहीं कर सकता। विपक्षियों के मंसूबों को जनता समझ चुकी है। इसलिए विधानसभा में भारी मतों से योगीजी को दोबारा मुख्यमंत्री की कुर्सी दी। उन्होंने विपक्ष पर शब्दों से प्रहार करते हुए कहा कि योगी सरकार की नीतियों से जनता खुश है। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर किसी को मिला। भू-माफिया व शांति व्यवस्था को बिगाड़ने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। बेटियों व महिलाओं को सुरक्षा, शिक्षा के अलावा हर क्षेत्र में सरकार के कार्य सराहनीय हैं।

पांच साल का एक्शन प्लान तैयार ग्राउंड जीरो पर उतरेंगे मंत्री

» लोक कल्याण संकल्प के साथ जनता के बीच पहुंचेगा योगी मंत्रिमंडल

» विभागों को सेक्टर में बांटकर किया जाएगा काम, दूसरे विभागों से समन्वय पर भी जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी योगी सरकार पहले दिन से एक्शन मोड पर है। सरकार ने अगले पांच साल का प्लान तैयार कर लिया है। साथ ही इस रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए मंत्रियों की जिम्मेदारी भी तय कर दी गयी है। सीएम योगी और उनका पूरा मंत्रिमंडल लोक कल्याण के संकल्प के साथ प्रदेश की जनता के बीच पहुंचेगा। इसके लिए शासन स्तर पर रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसे जल्द अमल में लाया जाएगा। मुख्यमंत्री की ओर से मंत्रियों के लिए दिनवार एजेंडा भी तय किया गया है।

सरकार अगले सौ दिन का रोडमैप बना चुकी है। इसके लिए तय किया है कि विभिन्न विभाग और उनकी योजनाओं को कुल दस सेक्टरों में बांटकर काम किया जाएगा। 20 अप्रैल तक सीएम योगी अलग-अलग विभागों की सौ दिन की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण देखेंगे। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दे दिया है कि सरकार सौ दिन, छह माह और प्रति वर्ष के लक्ष्य तय कर पांच वर्ष काम करेगी। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि विकास के दृष्टिकोण से दस सेक्टर बना लिए जाएं। विभिन्न विभागों की योजनाओं को शामिल किया जाए। उन पर आपसी समन्वय के साथ विभाग कैसे काम कर सकते हैं, इसकी कार्ययोजना बनायी जा रही है। वर्तमान में जो भी अच्छी योजनाएं चल रही हैं उनका उल्लेख करते हुए उन्हें और गति दी जाएगी। चुनाव के दौरान भाजपा ने जो लोक कल्याण संकल्प पत्र जारी किए थे उसके सभी बिंदुओं को कार्ययोजना में शामिल किया जा रहा है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक रोजगार सृजन पर फोकस करें। साथ ही विभागीय कार्यों, योजनाओं में और बेहतर करने का प्रयास करें।

चार दिन लखनऊ में रहेंगे मंत्री

मंत्री सप्ताह में चार दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को लखनऊ में रहेंगे। लखनऊ में सोमवार को मंत्री जनसमस्याओं के निस्तारण के लिए अपने दफ्तरों में शासकीय कार्यों के साथ जनसुनवाई करेंगे। मंगलवार को कैबिनेट की संभावित बैठक और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। मंगलवार या बुधवार को शासन की ओर से गठित कमेटियों की होने वाली बैठकों में शामिल होंगे। साथ ही शुक्रवार, शनिवार, रविवार को जिलों में और प्रभारी जिलों में रात्रि प्रवास करेंगे।

विभागों का प्रजेंटेशन हुआ शुरू

योगी 2.0 में शपथ ग्रहण हुए अभी एक महीने भी नहीं बीते हैं और सीएम योगी ने सभी विभागों से सौ दिन, छह महीने और पांच सालों का प्लान मांग लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभागों ने प्रजेंटेशन भी देना शुरू कर दिया है।

लखनऊ के चौराहों की बदलेगी सूरत, वर्टिकल गार्डन बढ़ाएंगे खूबसूरती

नगर विकास मंत्री ने की शानदार पहल, अनुपयोगी जमीन में लगाए जाएंगे गार्डन

» सिकंदरबाग चौराहे से होगी शुरुआत, 33 चौराहों को जाम से किया जाएगा मुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने आज 60 दिवसीय योजनाओं की नींव रख दी। इसके तहत अब शहर के 33 चौराहों की सूरत बदली जाएगी। इनको खूबसूरत बनाया जाएगा। चौराहों के आसपास अनुपयोगी पड़ी जमीनों का उपयोग किया जाएगा और चारों तरफ वर्टिकल गार्डन लगाए जाएंगे। नगर विकास मंत्री ने सिकंदरबाग चौराहे से इस योजना की आधारशिला रखी और काम को पूरा करने का समय 45 दिन का ही दिया है। मंत्री ने कहा कि वह 45 दिन बाद फिर से चौराहा देखने के लिए आएंगे।

नगर निगम और लोक निर्माण विभाग मिलकर सिकंदरबाग चौराहे को संवारने का काम करेंगे। चारों तरफ वर्टिकल गार्डन लगाए गए हैं तो जेब्रा लाइन भी बनाई गई है। दूरदर्शन केंद्र के पास खाली जमीन पर फुटपाथ बनाकर उससे चलने योग्य बनाने के साथ कुछ जगह पर टैंपों व अन्य सार्वजनिक वाहनों को सवारी बैठाने और उतारने का इंतजाम होगा। वाल पेंटिंग के साथ ही चौराहे को यातायात की दृष्टि से और भी सुगम बनाया जाएगा।

नगर निगम को दो माह की समयावधि में ही नालों की सफाई का काम पूरा करना होगा। सहारा शहर के पीछे नाला सफाई में बायोरेमिडिएशन तकनीकि का उपयोग होगा। इस तकनीकि से पानी को शोधन भी किया जा सकेगा। नगर विकास मंत्री ने कहा कि शहरों में सफाई को बेहतर करने का अभियान चल रहा है। लखनऊ में भी सफाई में गुणवत्ता सुधार नजर आ रहा है। इसमे नगर निगम के अधिकारियों से लेकर कर्मचारी और सफाई कर्मचारी सराहना के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम की सीमा में शामिल गांवों में विकास की योजनाएं बनाई जाएगी। बारिश के बाद जलभराव न हो इसके लिए जून तक ही नालों की सफाई हो जाएगी। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भी चाहते हैं कि बारिश के बाद लोगों को जलभराव से राहत मिल सके।

ये चौराहे संवारे जाएंगे

संवारे जाने वाले चौराहों में आयकर चौराहा, मीराबाई मार्ग, सपू मार्ग, लाल बहादुर चौराहा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल, सिकंदरबाग, सुशीला देवी स्मृति वाटिका, पेपर मिल कालोनी, निशातगंज, गोल मार्केट, मवैया, टेढ़ी पुलिया आलमबाग, अवध चौराहा, कपूरथला, अलका पुरी, खुर्रमनगर, मुंशी पुलिया, पालीटेक्निक, चिनहट, शहीद पथ कमता, इंजीनियरिंग कॉलेज, अलीगंज सेक्टर क्यू, बालागंज, मटियारी, सुषमा अस्पताल, महानगर, लालबत्ती, बंदरिया बाग, कालिदास मार्ग, राजभवन, पिकैडली होटल शामिल हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जुर्माना नहीं वर्क कल्चर की जरूरत

सफाई अभियान के तमाम दावों के बावजूद प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत अधिकांश शहर गंदगी के बोझ तले दबे हैं। सड़कों से लेकर गलियों तक में कूड़े का ढेर लगा रहता है। नालियां बजबजाती हैं और नाले चोक पड़े हैं। वहीं कार्यदायी संस्थाएं सफाई के नाम पर कागज दुरुस्त कर पैसा बनाने में जुटी हैं। जुर्माना लगने के बाद भी ये कार्यदायी संस्थाएं सुधर नहीं रही हैं। नगर निगम और नगर पालिकाओं के कर्मियों की कार्यप्रणाली भी बेहद लचर है। लिहाजा शहर में अंतहीन गंदगी का आलम बरकरार है। सवाल यह है कि प्रदेश में सफाई व्यवस्था दुरुस्त क्यों नहीं हो पा रही है? शहर की साफ-सफाई के लिए हर साल आवंटित होने वाला भारी भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? क्या जुर्माना लगाने और कर्मचारियों का वेतन रोकने से सुधार आ जाएगा? क्या वर्क कल्चर और जवाबदेही के बिना व्यवस्था बदल सकती है? कूड़ा उठान और निस्तारण की समुचित व्यवस्था आज तक क्यों नहीं की जा सकी है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को पंगु कर दिया है? क्या इसी तरह स्मार्ट सिटी का सपना साकार होगा?

प्रदेश में कई सरकारें आईं और गईं लेकिन राजधानी की सड़कों पर आज भी गंदगी का साम्राज्य बरकरार है। सड़कों और गलियों में कूड़े के अंबार स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ाते रहते हैं। यह स्थिति तब है जब शहर को चमकाने की जिम्मेदारी नगर निगम और कार्यदायी संस्थाओं को सौंपी गयी है। सफाई के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी जमीनी हकीकत बदतर हैं। पिछले दिनों महापौर के निरीक्षण ने सफाई व्यवस्था की कलई खोल दी। इस मामले में कार्यदायी संस्थाओं पर जुर्माना लगाया गया लेकिन इसका भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता दिख रहा है। हाल यह है कि कुछ पॉश इलाकों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश शहर में सफाईकर्मी नहीं दिखते हैं। डोर-टू-डोर कूड़ा उठान अभियान का भी यही हाल है। पुराने शहर की हालत बेहद खराब है और यहां खाली प्लाट डंपिंग ग्राउंड बन चुके हैं। मच्छरों के प्रकोप के बावजूद शहर में फॉगिंग की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है। जब प्रदेश की राजधानी का यह हाल है तो अन्य शहरों के बारे में आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। सफाई के नाम पर राजधानी के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। यदि सरकार वाकई शहरों को साफ-सुथरा रखना चाहती है तो उसे न केवल जिम्मेदार विभाग के कर्मियों में वर्क कल्चर विकसित करना होगा बल्कि जवाबदेही भी तय करनी होगी। साथ ही संबंधित विभागों में भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा अन्यथा स्मार्ट सिटी बस सपना रह जाएगा।

सफाई के नाम पर राजधानी के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। यदि सरकार वाकई शहरों को साफ-सुथरा रखना चाहती है तो उसे न केवल जिम्मेदार विभागों के कर्मियों में वर्क कल्चर विकसित करना होगा बल्कि जवाबदेही भी तय करनी होगी। साथ ही संबंधित विभागों में भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा अन्यथा स्मार्ट सिटी बस सपना रह जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खरगोन में नए कैराना की तलाश

श्रवण गर्ग

सात करोड़ की आबादी वाले शांतिप्रिय मध्य प्रदेश में भी क्या पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तर्ज पर किसी कैराना की तलाश की जा रही है और मीडिया इस काम में विघटनकारी ताकतों की मदद कर रहा है ? साम्प्रदायिक रूप से संवेदनशील इंदौर के कुछ हिंदी अखबारों ने अपने पहले पन्ने पर फ़ोटो के साथ समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया कि दंगा-प्रभावित खरगोन (इंदौर से 140 किलोमीटर) के बहुसंख्यक वर्ग के रहवासी इतनी दहशत में हैं कि वे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए अपने आवासों को बेचना चाहते हैं। अखबारों ने खरगोन से कई परिवारों के पलायन का समाचार भी प्रमुखता से प्रकाशित किया है। अखबारों ने खबर के साथ जो चित्र प्रकाशित किया उसमें सरकारी योजना के तहत बने मकान की दीवार पर ''यह मकान बिकाऊ है'' की सूचना के साथ सम्पर्क के लिए एक मोबाइल नंबर भी मोटे अक्षरों में लिखा हुआ है। दो प्रतिस्पर्धी अखबारों ने एक ही मकान पर अंकित सूचना को सम्पर्क के लिए एक ही मोबाइल नम्बर के हवाले से दो अलग-अलग मालिकों के नामों और पतों की जानकारी से प्रकाशित किया है।

मोबाइल नम्बर के प्रकाशन ने निश्चित ही देश भर के खरीददारों को बिकने के लिए उपलब्ध मकानों की सूचना और मध्य प्रदेश की ताजा साम्प्रदायिक स्थिति से अवगत करा दिया होगा। विवरण उसी खरगोन शहर के हालात का है जिसके जिले में देवी अहिल्याबाई होल्कर के जमाने की राजधानी महेश्वर नर्मदा नदी के तट पर स्थित है। वे तमाम लोग जो खरगोन से उठ रहे धुएं के अलग-अलग रंगों का दूर से अध्ययन कर रहे हैं उन्हें एक नया मध्य प्रदेश आकार लेता नजर आ रहा है। एक ऐसा मध्य प्रदेश जिसकी अब तक की जानी-पहचानी भाषा और संस्कृति में 'नेस्तनाबूत' और 'बुलडोज़र' जैसे नए-नए शब्द जुड़ रहे हैं। कानून और अदालतों का राज जैसे समाप्त करने की तैयारी चल रही हो। सत्ता में बैठे लोगों के मुंह से निकलने वाले शब्द ही जैसे क़ानून की शक्ल लेने वाले हों। राजनेताओं और नौकरशाहों की बोलियां जनता को अपरिचित जान पड़ रहीं हैं। उन्हें लग रहा है कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच की भौगोलिक सीमाएं जैसे समाप्त हो गईं हैं और दोनों राज्य एक दूसरे में समाहित हो गए हैं। प्रदेश में तेजी से बदलते हुए साम्प्रदायिक घटनाक्रम को लेकर लोग चिंतित हैं और उन्हें डर लग रहा है कि विधान सभा चुनावों (2023) के पहले कहीं कोई कैराना मध्य प्रदेश में भी तो नहीं ढूंढा जा रहा है। साल 2017 के विधान सभा चुनावों के ठीक पहले यूपी के कैराना से बहुसंख्यक वर्ग के लोगों के पलायन की खबरें जारी हुईं थीं। हाल के यूपी विधान सभा चुनावों के पहले भी कैराना के साम्प्रदायिक भूत को जगा कर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की कोशिशें कीं गईं थीं। तेरह अप्रैल (बुधवार) को खरगोन के दहशतज़दा बहुसंख्यक रहवासियों द्वारा अपने मकान बेचने के खबरें अख़बारों में प्रकाशित हुईं । उसके एक दिन पहले (मंगलवार को) समाचारपत्रों ने प्रकाशित किया कि सौ परिवारों ने खरगोन छोड़ दिया है और उन्होंने दूसरे शहरों में रिश्तेदारों के यहां शरण ले ली है। (पाठकों द्वारा इन अखबारों से मांग की जानी चाहिए है कि वे खरगोन छोड़ने वाले परिवारों की प्रामाणिक जानकारी प्रकाशित करें।) जून

2016 में कैराना से भाजपा सांसद (स्व.) हुकुमसिंह ने एक सूची जारी करके देशव्यापी सनसनी फैला दी थी कि 346 हिंदू परिवारों ने अल्पसंख्यकों की दहशत के कारण कैराना से पलायन कर दिया है। जारी की गई सूची को लेकर जब देश भर में हल्ला मचा तो पलायन करने वाले परिवारों की संख्या को 63 और स्थान कंधाला बताया गया । जो सूची जारी की गई उसमें भी कथित तौर पर चार नाम मृतकों के थे और तेरह परिवार कैराना में ही रह रहे थे। पर तब तक खबर को लेकर यूपी के चुनावों पर जो असर होना था वह हो चुका था।

2019 के लोक सभा चुनावों के पहले मैंने जब कैराना की यात्रा की और लोगों से मिला तब पता चला कि साम्प्रदायिक विद्वेष को लेकर जितना प्रचारित किया गया था उसमें काफी कुछ अतिरंजित और चुनावी राजनीति से प्रेरित था। कैराना यात्रा के दौरान मैंने स्व. हुकुम सिंह की बेटी मृगांका सिंह से भी मुलाक़ात की थी। मृगांका सिंह ने भाजपा की ओर से इस बार चुनाव भी लड़ा था। यूपी का कैराना तो मुस्लिम बहुल क्षेत्र है पर खरगोन में तो बहुसंख्य आबादी हिंदुओं की है । इसके बावजूद वहां से परिवारों के पलायन की एक जैसी ही खबरें अलग-अलग अखबारों में क्यों और कैसे आ रहीं हैं ? पूछा जाना चाहिए कि शहर जब कर्फ़्यू की कैद में हो, इतनी बड़ी संख्या में परिवारों का पलायन कैसे हो सकता है ? इन परिवारों ने खरगोन छोड़कर किन जगहों पर शरण ली है ? क्या सरकार और जिला प्रशासन पलायन करने और मकान बेचने वाले परिवारों को सुरक्षा नहीं प्रदान कर पा रहा है ? क्या प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित मकानों को भी बेचा जा सकता है ? खरगोन का इतिहास जानने वाले बताते हैं कि साम्प्रदायिक दृष्टि से शहर और जिले के कुछ स्थान हमेशा से संवेदनशील रहे हैं। इन स्थानों पर छिटपुट घटनाएं भी होती रहीं हैं। पर इस तरह का तनाव (सम्भवत:) तीन दशकों में पहली बार खरगोन शहर में उत्पन्न हुआ है। 'राम नवमी' सहित सारे पर्व और त्योहार अभी तक शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाते रहे हैं। पूछा जा रहा है कि इस बार ऐसा क्या हो गया कि हिंसा और आगजनी की घटनाएं इतने व्यापक स्तर पर हो गईं और शासन-प्रशासन को विघ्न-संतोषी तत्वों की गतिविधियों को लेकर कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई। प्रशासनिक दृष्टि से ताकतवर माने जाने वाले प्रदेश में उपद्रवी तत्व अशांति फैलाने में कैसे सफल हो गए ? क्या इसे जनता के स्तर पर हुई चूक मान लिया जाए? कोई सवा लाख की आबादी वाला खरगोन शहर रातों-रात देश भर में सांप्रदायिक सुर्ख़ियों में आ गया। अब सरकार ने अपनी पूरी ताकत गुंडों और दंगाइयों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने में झोंक रखी है। एक छोटे से शहर में जितनी बड़ी संख्या में गुंडों की पहचान की गई है उससे कल्पना की जा सकती है कि सात करोड़ से ज्यादा की जनसंख्या वाले प्रदेश में उनकी गिनती क्या होगी और आगे चलकर कितने और मकानों-दुकानों पर सरकार के बुलडोज़र चलने वाले हैं। बताया गया है कि निजी और सरकारी सम्पति को क्षति पहुंचाने वालों से तीन महीनों में नुकसान की वसूली की जाएगी। दावों की सुनवाई के लिए एक 'क्लेम ट्रिब्यूनल' भी गठित किया जाने वाला है।

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार द्वारा अवैध निर्माणों, अतिक्रमणों, गुंडों और दबंगों के खिलाफ की जा रही 'बुलडोज़री' कार्रवाई का हाल-फिलहाल यह मानते हुए समर्थन किया जाना चाहिए कि उसके पीछे किसी धर्म विशेष के प्रति साम्प्रदायिक-राजनीतिक विद्वेष की भावना नहीं बरती जा रही है, सभी वर्गों के दोषियों के साथ एक जैसा व्यवहार हो रहा है और सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है । खरगोन में शांति की स्थापना के बाद सरकार को निश्चित ही इन सब सवालों के जवाब विधान सभा में भी देने होंगे और जनता की अदालत में भी। सरकार से यह सवाल भी किया जाने वाला है कि क्या अब मध्य प्रदेश में (भी?) शासन बुलडोजरों का भय दिखाकर ही चलने वाला है ? कानून और अदालतों की जरूरत में सरकार का यकीन कम या समाप्त हो रहा है ?

कांटों का ताज मिला शाहबाज शरीफ को

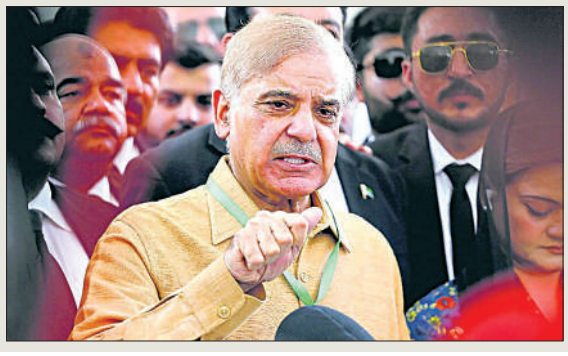

जी. पार्थसारथी

तीस मार्च के दिन इमरान खान संसद में अपनी सरकार को संयुक्त विपक्ष द्वारा अविश्वास मतदान के जरिए गिराने की चुनौती से जूझ रहे थे। इन घटनाक्रम के दौरान सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा अपने आईएसआई प्रमुख नदीम अंजुम के साथ इमरान खान से मुलाकात करते हैं। जनरल का इमरान खान को संदेश एकदम स्पष्ट और तल्ख था संसद में तुरंत विश्वास मत हासिल करना होगा। इसके बाद जो कुछ हुआ उसमें इमरान खान खुद को मानो शहीद दिखाने की नाकामयाब कोशिश करते नजर आए, जिसके पूरे वजूद को जनरल बाजवा और अमेरिका से खतरा हो।

किसी भी कीमत पर कुर्सी पर बने रहने की इमरान खान की जद्दोजहद का अंत 10 अप्रैल की अलसुबह हो गया। जब आधिकारिक रूप से घोषित किया गया कि 342 सदस्यीय राष्ट्रीय असेंबली में कुल 174 वोट प्राप्त हुए हैं। इसी बीच, पाकिस्तान में खूब राजनीतिक ड्रामा चला, जब अपने खासमखास संसद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के साथ इमरान ने हर वह पैंतरा अपनाया जिससे अविश्वास प्रस्ताव अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया जा सके। कोई हैरानी नहीं कि ये तमाम प्रयास विफल रहे। तब यह साफ हो गया कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के छोटे भाई शाहबाज़ शरीफ के नेतृत्व में नई सरकार बनने की राह खुल गई है। पाकिस्तान की नई गठबंधन सरकार के दो मुख्य घटकों में एक है शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली मुस्लिम लीग (नवाज) और दूजा है बेनजीर भुट्टो के पुत्र बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी। बिलावल भुट्टो की मुख्य राजनीतिक ताकत सिंध प्रांत में है किंतु पंजाब में प्रभाव कम है वहीं शाहबाज शरीफ का गढ़ पंजाब है। वर्ष 2018 में हुए आम चुनाव के बाद संसद में उनकी पार्टी की सीटों में भारी कमी आई थी, जब नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) को 342 में 82 सीटें मिल पाई थीं जबकि 2014 में यह आंकड़ा 166 था। साल 2018 में इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ ने 149 सीटें जीतकर गठबंधन सरकार बनाई थी लेकिन गठबंधन घटकों के छिटकने की वजह से दो मुख्य राष्ट्रीय दलों यानी 82 सांसदों वाली मुस्लिम लीग और 54 सीटों वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को हाथ मिलाने का मौका मिला और इन्होंने कुछ छोटे दलों को साथ मिलाकर इमरान नीत गठबंधन सरकार की जगह ले ली है।

शाहबाज शरीफ के समक्ष पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा पर गंभीर समस्या मुंह बाए खड़ी है। उन्होंने 'बदले की राजनीति' करने की बजाय 'राष्ट्र के जख्मों पर मरहम लगाने' की घोषणा की है। आगे कहा 'हम लोगों को अकारण जेल में नहीं डालेंगे' लेकिन शाहबाज शरीफ के सामने हल करने को इससे कहीं बड़ी समस्याएं खड़ी हैं। पिछले चार सालों में पाकिस्तान की सकल घरेलू उत्पादकता में भारी कमी होने से यह 315 बिलियन डॉलर से घटकर 292 बिलियन पर आ गई है। इस अवधि में जीडीपी बांग्लादेश से नीचे जा पहुंचा।

घरेलू बचत पर बहुत कम ब्याज दर होने से पाकिस्तान के लिए नीचे की ओर जाती अपनी अर्थव्यवस्था की दिशा मोड़ना मुश्किल रहेगा। 1971 में बांग्लादेश की आजादी पर पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने भविष्यवाणी की थी कि बांग्लादेश 'खैरात पर पलने वाला' मुल्क बनकर रह जाएगा लेकिन हुआ उलट। जब तक तालिबान के खिलाफ युद्ध के चलते अमेरिकी धन का प्रवाह रहा तब तक पाकिस्तान की आर्थिकी बनिस्बत अच्छी हालात में बनी रही, अब वह उदार अमेरिकी दान जाता रहा। पाकिस्तान द्वारा दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार संधि की शर्तों का पालन करने या भारत के साथ आर्थिक संबंध बनाने की संभावना क्षीण है। यानि अन्य दक्षिण एशियाई मुल्कों की तरह आपसी क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग के लिए हाथ मिलाने जैसा नहीं। हालांकि शाहबाज शरीफ भारत से आर्थिक एवं अन्य संबंध बनाने को लेकर बहुत सावधानी से आगे बढ़ेंगे। पाकिस्तान अब अनिश्चितता की ओर बढ़ रहा है। हालांकि अगले आम चुनाव अक्टूबर, 2023 में होने हैं लेकिन इसी साल अक्टूबर माह में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के लिए अगले सेनाध्यक्ष की नियुक्ति के रूप में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय की घड़ी बनेगी जब बतौर सेना प्रमुख जनरल बाजवा का कार्यकाल समाप्त होगा। क्या उन्हें एक ओर सेवा-विस्तार मिलेगा? यह एक खुला प्रश्न है। बेशक पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कार्य बल के आदेशों के बाद आतंकी सरगना हाफिज सईद पर कानूनी कार्रवाई करने को मजबूर होना पड़ा है लेकिन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों का तंत्र पहले जैसा बना हुआ है। पाकिस्तान के लिए कश्मीर आगे भी 'केंद्रीय मुद्दा' रहेगा।

शाहबाज शरीफ 2013 में भारत आए थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अन्य से भेंट की थी। शरीफ परिवार के जहन में भारत से जुड़ी पुरानी मधुर यादें आज भी हैं। हालांकि यह भ्रम न रहे कि शाहबाज शरीफ ऐसा कुछ करेंगे जो पाकिस्तानी सेना को मंजूर न हो, खासकर जम्मू-कश्मीर को लेकर। सीमा नियंत्रण रेखा के पार आज भी आतंकी तंत्र यथावत है। इन घटनाओं के बावजूद पाकिस्तान के साथ संपर्क रखने में, राजदूत स्तरीय और पूर्ण राजनयिक प्रतिनिधित्व सहित अन्य संवाद चैनल मजबूत रखने होंगे। शाहबाज शरीफ प्रशासन के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट है और ठीक इसी समय इमरान खान चुनाव पहले करवाने की मांग कर रहे हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान उथल-पुथल वाले वक्त की ओर बढ़ रहा है।

स्ट्रोक का रिस्क आंखों से जानें

यदि नेत्र चिकित्सक आपकी आंख के पिछले हिस्से में सूक्ष्म रक्त के थक्के पाते हैं या उच्च रक्तचाप के कारण रक्त वाहिका क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो आपको स्ट्रोक का उच्च जोखिम हो सकता है। इसे ठीक करने के लिए डॉक्टर टेस्ट कर सकता है।

आंखें बताती हैं सेहत का राज

डायबिटीज रेटिनोपैथी

ऑलअबाउटविजन डॉट कॉममें छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि आंखों का चेकअप कराते समय आंख के पिछले हिस्से में रक्त के धब्बे दिखाई देते हैं, तो आपको डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना है। यह रेटिना में केशिकाओं को प्रभावित करती है और कई बार ब्लाइंडेनस का भी कारण बन सकती है। डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षणों में आंखों में दर्द, धुंधली दृष्टि, फ्लोटर्स आदि शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं कि आंखें भी संपूर्ण स्वास्थ्य के बारे में काफी कुछ बयां करती हैं। जी हां, आप आंखों का एग्जामिनेशन कराएं तो आपके शरीर के अंदर होने वाली कई समस्याओं का पता चल सकता है। फिर चाहे आपको हार्ट डिजीज होने का रिस्क हो या फिर डायबिटीज ने आपको घेर लिया हो। हर तरह की शारीरिक समस्याओं को आप आंखों के जरिए जान सकते हैं। आंखों का चेकअप सिर्फ दृष्टि दोष के लिए ही नहीं होता बल्कि इससे कई रोगों का भी पता लगाया जा सकता है। ऐसे में लगातार आंखों का चेकअप कराते रहने से किसी भी बीमारी के बारे में जल्दी पता करने का आसान तरीका है। नियमित रूप से आंखों की जांच से कई गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों जैसे थायरॉयड, मल्टीपल स्केलेरोसिस, डायबिटीज आदि का शीघ्र पता लगने से उनका उपचार संभव हो जाता है। जानें, आपकी आंखों से किन-किन बीमारियों से ग्रस्त होने के बारे में पता चलता है।

कोलेस्ट्रॉल अधिक होना

जब आंखों में कोलेस्ट्रॉल जमा हो जाता है तो आंखों के आइरिस के चारों ओर सफेद, ग्रे या नीले रंग का रिंग बन सकता है। हालांकि, यह उम्र बढ़ने का एक सामान्य संकेत है। इसे आर्कस सेनिलिस कहा जाता है जो दर्शाता है कि आपके शरीर में हाई कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स, हार्ट डिजीज, स्ट्रोक होने का रिस्क बढ़ सकता है।

थायरॉएड डिजीज का रिस्क

हाइपरथायरॉएडिज्म ग्रेव्स डिजीज नामक एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर से जुड़ा होता है। इसके होने पर आंखों लाल हो सकती हैं, उनमें खुजली महसूस हो सकती है। अधिक गंभीर मामलों में आंखों की मांसपेशियों में सूजन आ जाती है, आंखें फूल भी सकती हैं। यदि आंखों की जांच के दौरान डॉक्टर थायरॉएड से संबंधित अन्य संकतों को नोटिस करता है, तो आपको दूसरे टेस्ट के लिए दृष्टि विशेषज्ञ के पास जाने की सलाह दे सकता है।

ब्लड प्रेशर सामान्य से अधिक बढ़ना

आंखों की जांच के दौरान ये भी पता चल सकता है कि आपका ब्लड प्रेशर हाई है या लो। यदि आंखों के ब्लड वेसल्स क्षतिग्रस्त नजर आते हैं, जिसमें सूजन, संकुचन, आंखों की जांच के दौरान उच्च रक्तचाप का सबसे महत्वपूर्ण संकेत ब्लड वेसल्स का क्षतिग्रस्त होना है, जिसमें सूजन, संकुचन, कड़ापन जैसे लक्षण दिख सकते हैं। चूंकि, हाई ब्लड प्रेशर स्ट्रोक, हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर का कारण बन सकता है, इसलिए इसे नजरअंदाज न करें।

कैंसर है या नहीं आंखें बताएंगी

जब कैंसर होता है तो सबसे पहले आंखें में ही इसके लक्षण नजर आते हैं, चाहे वह कैंसर शरीर में कहीं भी हुआ हो। नियमित नेत्र परीक्षण के दौरान मस्तिष्क कैंसर से लेकर त्वचा कैंसर तक हर चीज के संकेत मिल सकते हैं। ट्यूमर आपकी ऑप्टिक नर्सों में सूजन पैदा कर सकता है और आंखों का आकार बदल सकता है (जो दृष्टि के क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है), जबकि रेटिना में खून नजर आना ल्यूकेमिया का संकेत हो सकता है। अगर आपकी आंखों का रंग बदला सा नजर आता है, यह ऑक्युलर मेलानोमा भी हो सकता है।

हंसना मना है

पत्नी ने सुबह-सुबह पति से कहा, मेरा आधा सिर दुख रहा है। पति ने गलती से बोल दिया कि जितना है उतना ही तो दुखेगा। तब से पति का पूरा शरीर दुख रहा है।

डॉक्टर: चश्मा किसके लिए बनवाना है? चिंट: टीचर के लिए। डॉक्टर: पर क्यों? चिंटू: क्योंकि उन्हें मैं हमेशा गधा ही नजर आता हूं। सुनते ही जोर से हंसा डॉक्टर।

राजू पार्क में एक लड़की के साथ बैठा था। पुलिसवाला: तुम यहां क्यों बैठे हो? राजू: जी हम दोनों शादीशुदा हैं। पुलिसवाला: अरे तो अपने घर जाकर बैठो। राजू: घर जाकर साथ नहीं बैठ सकते। पुलिसवाला: क्यों? रोजू: क्योंकि इसका पति नहीं मानेगा।

एक शराबी बीमार हुआ तो डॉक्टर के पास गया और बोला... डॉक्टर साहब मैं कुछ बीमार रहने लगा हूं। डॉक्टर बोला: तुम्हारा लिवर फूल गया है। शराबी: इसका मतलब यह हुआ कि अब इसमें और ज्यादा दारू आ सकती हैं... डॉक्टर चुप और शराबी खुश... इसे कहते हैं पॉजिटिव थिंकिंग।

पत्नी: अगर मैं खो गई तो तुम क्या करोगे? पति: मैं अखबार में इश्तेहार दूंगा। पत्नी: तुम कितने अच्छे हो। क्या लिखोगे? पति: जहां भी रहो खुश रहो।

कहानी | सिंह और सियार

वर्षों पहले हिमालय की किसी कंदरा में एक बलिष्ठ शेर रहा करता था। एक दिन वह एक भैंसे का शिकार और भक्षण कर अपनी गुफा को लौट रहा था। तभी रास्ते में उसे एक मरियल-सा सियार मिला जिसने उसे लेटकर दण्डवत् प्रणाम किया। जब शेर ने उससे ऐसा करने का कारण पूछा तो उसने कहा, सरकार मैं आपका सेवक बनना चाहता हूं। कृपया मुझे आप अपनी शरण में ले लें। मैं आपकी सेवा करुंगा और आपके द्वारा छोड़े गये शिकार से अपना गुजर-बसर कर लूंगा। शेर ने उसकी बात मान ली और उसे मित्रवत अपनी शरण में रखा। कुछ ही दिनों में शेर द्वारा छोड़े गये शिकार को खा-खा कर वह सियार बहुत मोटा हो गया। प्रतिदिन सिंह के पराक्रम को देख-देख उसने भी स्वयं को सिंह का प्रतिरुप मान लिया। एक दिन उसने सिंह से कहा, अरे सिंह ! मैं भी अब तुम्हारी तरह शक्तिशाली हो गया हूं। आज मैं एक हाथी का शिकार करुंगा और उसका भक्षण करुंगा और उसके बचे-खुचे मांस को तुम्हारे लिए छोड़ दूंगा। चूंकि सिंह उस सियार को मित्रवत् देखता था इसलिए उसने उसकी बातों का बुरा न मान उसे ऐसा करने से रोका। भ्रम-जाल में फंसा वह दंभी सियार सिंह के परामर्श को अस्वीकार करता हुआ पहाड़ की चोटी पर जा खड़ा हुआ। वहां से उसने चारों ओर नजरें दौड़ाई तो पहाड़ के नीचे हाथियों के एक छोटे से समूह को देखा। फिर सिंह की तरह तीन बार सियार की आवाजें लगा कर एक बड़े हाथी के ऊपर कूद पड़ा। किन्तु हाथी के सिर के ऊपर न गिर वह उसके पैरों पर जा गिरा और हाथी अपनी मस्तानी चाल से अपना अगला पैर उसके सिर के ऊपर रख आगे बढ़ गया। क्षण भर में सियार का सिर चकनाचूर हो गया और उसके प्राण पखेरु उड़ गये। पहाड़ के ऊपर से सियार की सारी हरकतें देखता हुआ सिंह ने तब यह गाथा कही, होते हैं जो मूर्ख और घमंडी, होती है उनकी ऐसी ही गति।

सीख: घमंड और मूर्खता का साथ बहुत गहरा होता है इसलिए कभी भी जिंदगी में किसी भी समय घमंड नहीं करना चाहिए।

5 अंतर खोजें

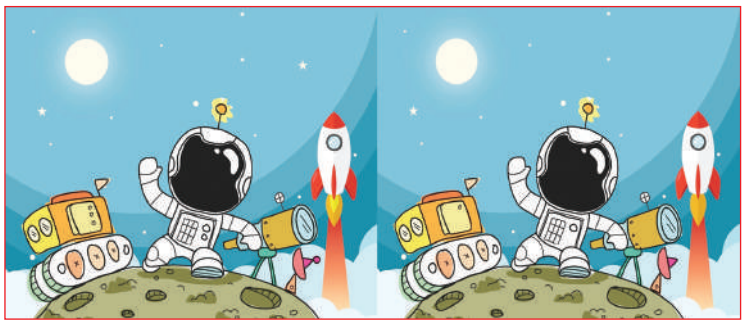

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नए करार फायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं पहुंचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाजी में निर्णय न लें। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है।

वृषभ आज परिवार के लोगों से आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। खासकर आपके प्रति बड़ों का प्यार बना रहेगा। आज आप किसी नये बिजनेस को शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं।

मिथुन खुद के द्वारा सोचा गया काम अचानक बिगड़ सकता है। वाद विवाद में संयम रखें। शत्रुओं तथा प्रतिस्पर्धियों की वजह से परेशानी होगी। आपकी पारिवरिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क किसी झगड़ालू इंसान से वाद-विवाद आपका मूड खराब कर सकता है। समझदारी से काम लें और अगर संभव हो तो इससे बचें क्योंकि किसी भी तरह का विवाद आपके लिए मददगार नहीं रहेगा।

सिंह आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की राय जरुर ले लें वरना बिजनेस में कम मुनाफा होने के संकेत बन रहे हैं।

कन्या आज आपको मेहनत का पूरा फायदा भी मिलेगा। कोई अच्छी खबर या बड़ी सफलता की खुशी आपको मिल सकती है। अचानक फायदा हो सकता है। आपको जल्दी ही कुछ एक्स्ट्रा आमदनी होने के योग बन रहे हैं।

तुला दोस्त और जीवनसाथी आपके लिए सुकून और खुशी लेकर आएंगे, नहीं तो आपका दिन बुझा-बुझा और दौड़-भाग से भरा रहेगा। प्यार में अपने अशिष्ट बर्ताव के लिए माफी मांगें।

वृश्चिक आज आपका दिन बेहतर रहेगा। बस आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। मुंह से निकली हुई एक गलत बात आपको परेशानी में डाल सकती है। आज आपके घर पर कोई रिश्तेदार भी आ सकता है।

धनु आज बातचीत और लेन-देन के लिए समय अच्छा हैं। उधार दिया धन वसूल होगा। नौकरी में पद, प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा।

मकर आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने मनमौजी बर्ताव पर काबू रखें क्योंकि यह आपकी दोस्ती को बर्बाद कर सकता है। टैक्स और बीमे से जुड़े विषयों पर गौर करने की जरूरत है।

कुम्भ आज आपका दिन पहले से ज्यादा लाभ दिलवाने वाला रहेगा। लंबे समय से चल रही कोई योजना आज पूरी हो जायेगी। कोई नया काम शुरू करने के बारे में भी सोच सकते हैं, दिन आपके लिये लाभकारी होगा।

मीन आज आप दूसरों से बात करते वक्त संतुलित विचार रखें। आपका स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर रहेगा। अपनी अच्छी सेहत के लिये आपकी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव लाने की जरूरत है।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी के बाद सोनी राजदान की पहली पोस्ट

हमें एक बेटा मिल गया

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को शादी मुबारक हो भट्ट परिवार की लाडली आलिया और कपूर फैमिली के शहजादे रणबीर की वेडिंग फोटोज सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं । रणबीर और आलिया को सभी मैरिड लाइफ के लिए बधाई दे रहे हैं। आलिया की मां सोनी राजदान इस शादी से काफी खुश हैं। उनका कहना है कि उन्हें बेटे के रूप में रणबीर कपूर मिल गए हैं।

सोनी राजदान ने इंस्टा पर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी की तस्वीर शेयर की। कपल की स्टनिंग फोटो के साथ सोनी राजदान के दिल की बात सुन आप भी WOW कहेंगे। सोनी ने पोस्ट में लिखा- वे कहते हैं आप जब बेटी को खोते हैं तो बेटा पाते हैं। मैं कहती हूं हमने एक शानदार बेटा पाया है, एक प्यारी फैमिली, मेरी प्यारी बेबी गर्ल हमारे साथ हमेशा है। रणबीर और आलिया को उनकी साथ में शुरू की गई इस जर्नी के लिए ढेर सारा प्यार और खुशियां। तुम्हारी प्यारी मां। सोनी राजदान की इस पोस्ट पर सेलेब्स के कमेंट्स आ रहे हैं। नीना गुप्ता, राशिका दुग्गल, ईशान खट्टर, रणुका सहाणे, रिया चक्रवर्ती समेत कई सेलेब्स और फैंस ने आलिया-रणबीर को

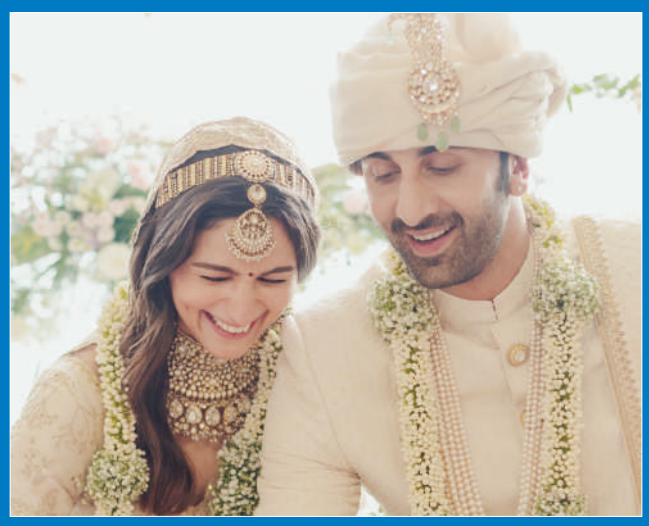

शादी की मुबारकबाद दी है। रणबीर कपूर संग शादी के बाद आलिया ने इंस्टा पर शादी की पहली तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों को देख किसी के लिए भी नजरें हटाना मुश्किल होगा। आलिया और रणबीर ने सब्यासाची के आउटफिट्स पहने। आइवरी ओरगेंजा साड़ी में आलिया स्टनिंग ब्राइड लगीं। वहीं रणबीर ने सिल्क

शेरवानी पहनी। सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें शेयर करने के बाद रणबीर और आलिया पैपराजी के सामने आए। जहां रणबीर कपूर अपनी दुल्हन आलिया को गोद में उठाकर अंदर ले गए। रणबीर और आलिया की ये ड्रीमी वेडिंग लंबे समय तक याद की जाएगी।

बॉलीवुड **मन की बात**

कानूनी अड़चनों के कारण पोस्टपोन करनी पड़ी जर्सी फिल्म : अमन गिल

शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म जर्सी 14 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। फिल्म की रिलीज से दो दिन पहले ही मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट बदलकर 22 अप्रैल कर दिया। फिर ऐसा कहा जाने लगा कि केजीएफ चैप्टर 2 की रिलीज की वजह से मेकर्स ने ये फैसला किया है। बता दें, फिल्म जर्सी साल 2021 में ही रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसकी रिलीज टल गई थी। अब जर्सी के प्रोड्यूसर ने फिल्म की रिलीज को पोस्टपोन करने की असली वजह बताई है। जर्सी फिल्म प्रोड्यूसर अमन गिल ने बताया कि, इस हॉलिडे वीकेंड पर हम जर्सी की रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार थे। लेकिन बीच में फिल्म कानूनी मामले में फंस गई। फिर हमने कोर्ट का आर्डर आने तक फिल्म रिलीज न करने का फैसला किया। कोर्ट में सुनवाई की तारीफ बुधवार की रखी गई थी। ऐसे में शुक्रवार को फिल्म रिलीज करना मुश्किल था। इस वजह से हमने रिलीज की डेट आगे बढ़ाकर 22 अप्रैल कर दी। प्रोड्यूसर ने आगे कहा कि 13 अप्रैल को कोर्ट से हमें पॉजिटिव ऑर्डर मिला है। इसके चलते अगले हफ्ते हमारी फिल्म को रिलीज करने का रास्ता एकदम साफ हो चुका है। बता दें, राइटर रजनीश जायसवाल ने फिल्म जर्सी पर कहानी चोरी करने का आरोप लगाया था और मेकर्स के खिलाफ केस भी दर्ज करवाया था। शाहिद कपूर से जब एक इंटरव्यू में पूछा गया कि उनकी दो बड़ी फिल्मों से सीधी टक्कर हो रही है। तो इस पर एक्टर ने कहा था कि मुझे लगता है वो भी जानते हैं कि फिल्म रिलीज के लिए ये दिन सबसे सही है क्योंकि आगे बड़ा वीकेंड है। केजीएफ 2 और बीस्ट का अलग जॉनर है और हमारी फिल्म का अलग है। तो ऐसे में मुझे एक साथ रिलीज पर कोई दिक्कत नहीं है।

साउथ **मसाला**

बोल्डनेस दिखाने के लिए अवनीत कौर ने पार की हदें

चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। उन्होंने काफी कम वक्त में इंडस्ट्री में ही नहीं, दर्शकों के दिलों में भी अपने लिए एक अलग जगह बना ली है। अवनीत के चाहने वाले पूरे देश में मौजूद हैं। लोग उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। अवनीत सोशल मीडिया लवर हैं और लगभग हर दिन फैंस के साथ अपना नया लुक शेयर करती रहती हैं। अब फिर से उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया है, इसमें उन्हें एक बार फिर से बोल्ड अवतार में देखा जा रहा है। यहां उन्हें डेनिम जीन्स और व्हाइट बैकलेस क्रॉप टॉप पहने देखा जा रहा है। वीडियो की शुरुआत में वह अपनी जीन्स को खींचते हुए किलर मूव्स करती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनकी हॉटनेस देखने लायक है। अवनीत ने अपने इस लुक को न्यूड मेकअप से कंप्लीट किया है। यहां उनका नया हेयरस्टाइल देखने को मिल रहा है, जो उन्हें और अटरेक्टिव बना रहा है। अब फैंस अवनीत के इस अवतार को देखते रह गए हैं। लोगो उन पर से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। सिर्फ 20 साल की उम्र में अवनीत की बोल्डनेस और फेस एक्सप्रेशन्स किसी मंझी हुई कलाकार से कम नहीं हैं।

आखिर स्लीपर को क्यों कहते हैं हवाई चप्पल

दुनिया में मौजूद हर चीज का नाम उसके फीचर पर डिपेंड करता है यानी कि उसके नाम के पीछे इतिहास और अन्य कारण छिपे होते हैं। अगर किसी चीज का कोई खास नाम है तो जरूर वो नाम किसी न किसी तरह से उससे जुड़ा होता है। जैसे हवाई जहाज हवा में उड़ता है इसलिए हवाई जहाज कहलाता है। इंसानों में भी नामकरण के कई फैक्टर्स होते हैं। अगर कोई किसी खास दिन पैदा हुआ है तो उस दिन के हिसाब से नामकरण किया जाता है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि आखिर पैरों में पहने जाने वाली चप्पल को हवाई चप्पल क्यों कहते हैं? इसके पीछे की वजह क्या है? हवाई चप्पल पहनने के बाद ऐसा तो नहीं है कि कोई इंसान हवा में उड़ने लगता है। आप कह सकते हैं कि हवाई चप्पल पहनने से काफी रिलैक्स यानी हल्का महसूस होता है। इस वजह से इसके नाम में हवाई जोड़ दिया गया है लेकिन आपको बता दें कि ये तर्क सही नहीं है। दरअसल, हवाई चप्पल का ये नाम उसकी उत्पत्ति से जुड़ा है। कई हिस्टोरियन्स यानी इतिहासकारों के मुताबिक, अमेरिका में एक आइलैंड है हवाई। उस आइलैंड में एक खास पेड़ मिलता है, जिसे टी के नाम से जानते हैं। इसी पेड़ से एक खास रबर जैसा फैब्रिक बनता है जो काफी लचीला होता है। इसी से चप्पल बनाई जाती है। इस कारण इन्हें हवाई चप्पल कहते हैं। हवाई चप्पल के इतिहास को जापान से भी जोड़ा गया है। जिस डिजाइन की चप्पलें हम पहनते हैं, वैसी ही जापान में पहले पहनी जाती थी। इन्हें जोरी कहते हैं। कहा जाता है कि अमेरिका के हवाई आइलैंड में काम करने के लिए जापान से मजदूर भेजे गए थे। ये मजदूर जापानी चप्पल पहनकर हवाई गए थे। वहां इन चप्पलों को टी पेड़ से निकले रबर मटेरियल से बनाया गया। इस तरह जापान के चप्पल हवाई चप्पल में बदल गए। इन हवाई चप्पलों का इस्तेमाल सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान अमेरिकी सैनिकों ने की थी। इस तरह दुनिया में हवाई चप्पल मशहूर हो गई। बात अगर इन चप्पलों के इतिहास की करें, तो हवाई चप्पलों की हिस्ट्री काफी पुरानी है। कई देशों से होते हुए ये चप्पल भारत में आए। भारत में इस चप्पल को लाने का क्रेडिट बाटा को जाता है।

अजब-गजब **कौन थी रूस की लेडी डेथ**

309 लोगों को गोलियों से भून दिया था इस महिला ने

रूस-यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। रूस की सेना यूक्रेन में ताबड़तोड़ हमले कर रही है। इस हमले से यूक्रेन में भारी तबाही मची है। दोनों देशों में कोई भी हार मानने को तैयार नहीं है। इस युद्ध में शामिल कुछ महिलाओं की खूब चर्चा हो रही है। इन महिलाओं ने युद्ध के दौरान कई लोगों को मार डाला। अब इस बीच एक महिला की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है जिसे लेडी लेथ के नाम से जाना जाता है। हाल ही मेंकुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि यूक्रेनी सेना ने एक रूस की महिला स्नाइपर को गिरफ्तार कर लिया था। इस महिला स्नाइपर ने 40 लोगों की हत्या की थी। इस महिला स्नाइपर की पहचान इरीना स्टारिकोवा के तौर पर हुई है। इरीना स्टारिकोवा की तस्वीरों को भी जारी किया गया था। बताया गया था कि रूस की तरफ से लड़ने वाली इरीना सर्बिया की रहने वाली हैं।

2014 से इरीना की तलाश में था यूक्रेन

यूक्रेन साल 2014 से ही इरीना की तलाश

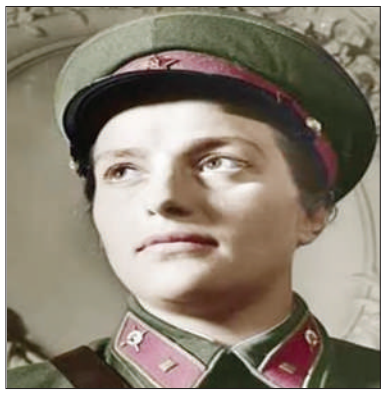

में लगा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूर्वी यूक्रेन में इरीना स्टारिकोवा अलगाववादियों के साथ मिलकर काम रही थीं लेकिन हम आपको आज एक ऐसी महिला स्नाइपर के बारे में बताते हैं जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। वर्तमान में रूस (तब सोवियत संघ) की इस महिला स्नाइपर ने 309 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। रूस की महिला स्नाइपर का नाम ल्यूडमिला पावलिचेंको था जो दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जंग लड़ी थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ल्यूडमिला पावलिचेंको के सामने आने वाला कोई भी दुश्मन नहीं बच पाया, क्योंकि वह बिल्कुल सटीक निशाना लगाती थीं। कीव के पास रहने वाली ल्यूडमिला पावलिचेंको को लेडी डेथ के नाम से बुलाया जाने लगा। ल्यूडमिला पावलिचेंको ने सबसे ज्यादा नाजी समर्थकों को मारा था। उन्होंने साल 1942 में एक घाव के कारण स्नाइपर के काम को छोड़ दिया। उन्होंने 309 लोगों को भून डाला था जिसके लिए उन्हें आज भी जाना जाता है। ल्यूडमिला की तरह रूस की महिला स्नाइपर येलिजावेटा मिरोनोव की भी कहानी है। मिरोनोव ने 34 लोगों को मार दिया था। जब जर्मनी ने रूस पर साल 1941 में हमला किया था तो सिर्फ वह 17 साल की थीं। हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद येलिजावेटा मिरोनोव रेड आर्मी में शामिल हो गई थीं। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान अब इन महिला स्नाइपर की चर्च खूब हो रही है।

भाजपा राज में आत्महत्या को मजबूर हैं किसान : अखिलेश

» क्रय केंद्रों पर फिर रहे हैं मारे-मारे, एमएसपी पर नहीं हो रही खरीद

» आग से राख हो गयी गेहूं की फसल लेकिन नहीं मिला मुआवजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि भाजपा राज में किसान के साथ सर्वाधिक अन्याय हो रहा है। महंगाई और कर्ज से किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। गेहूं की फसल लिए किसान क्रय केन्द्रों का पता खोजता मारा-मारा फिर रहा है। सरकारी विज्ञापनों में खुले कथित क्रय केन्द्रों में ही खरीद फरोख्त और भुगतान का नकली नाटक चल रहा है। किसान की फसल एमएसपी पर तो नहीं बिक रही, बिचौलियों के झोलों में भरी जा रही है।

उन्होंने कहा कि किसान पर आफत की मार यही नहीं रुक रही है। कई जनपदों में खेतों में खड़ी फसल आग से जलकर राख हो गई। मैनपुरी के करहल में भीषण आग लगने से खेत में तैयार खड़ी गेहूं की फसल नष्ट हो गई। देवरिया में 10 बीघा, अमेठी में 300 बीघा, चंदौली में 10 बीघा और गाजियाबाद के मंसूरी इलाके में 28 बीघे गेहूं की फसल राख हो गई। चित्रकूट में 80 बीघा, कानपुर देहात में 30 से 40 बीघा और हरदोई में दो बीघा फसल जल गई। जौनपुर के जफराबाद के जनैघा गांव में भी गेहूं की फसल राख हो गई। उन्होंने कहा कि कुशीनगर में सैकड़ों एकड़ फसल में आग लग गई। हर दिन हजारों बीघा फसल जल रही है, तबाही मची है लेकिन भाजपा सरकार ने पीड़ित किसानों की सुध नहीं ली। मुआवजा देना तो दूर मुख्यमंत्री ने खेतों की लगी आग और किसानों के पेट की आग बुझाने को कोई कदम नहीं उठाया। भाजपा सरकार की संवेदनशून्यता की यह पराकाष्ठा है।

वीडियो ट्वीट कर कहा, गमछे से पहचानिए लुटेरे कौन

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव राज्य में कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे उठाते हुए योगी सरकार पर लगातार कटाक्ष कर रहे हैं। इस बार उन्होंने भगवा रंग पर सवाल उठाते हुए तंज किया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखीमपुर खीरी में एक चेन स्नेचिंग की घटना का वीडियो ट्वीट किया है, जिसमें अपराधी भगवा गमछे से अपना मुंह बांधे दिख रहा है। इस वीडियो को ट्वीट करते हुए अखिलेश यादव ने लिखा कि गमछे से पहचानिए चेन लुटेरे कौन हैं।

झाड़-फूंक के नाम पर महिला को बेरहमी से पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। इगलास कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला का झाड़-फूंक से इलाज करने के नाम पर गांव सतलोनी के मौलवी ने बर्बरता की। मौलवी ने भूत उतारने के नाम पर महिला से मारपीट की और गर्म छड़ी से जलाया। महिला को जान से मारने का प्रयास किया गया, जिससे उसकी तबियत और खराब भी हो गई। घटना के संबंध में कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है।

» जान से मारने का किया प्रयास रिपोर्ट दर्ज

गांव लुखटिया निवासी एक महिला की तबियत खराब हो गई थी। शुक्रवार की दोपहर 12 बजे गांव सतलोनी के धीरेंद्र, साहब व रशीद खां महिला को इलाज के लिए मौलाना आस मुहम्मद पुत्र वलिया के पास ले गए। मौलाना ने झाड़-फूंक के जरिए इलाज का भरोसा दिया। परेशान स्वजन मौलाना की बातों में आ गए जिसके बाद झाड़-फूंक के जरिए इलाज शुरू हुआ। स्वजन के अनुसार मौलाना ने इलाज के नाम पर कमरे में बंद कर लिया और महिला के साथ हंटर से जमकर मारपीट की। पीड़ित की हालत नहीं सुधरी तो आरोपी ने भूत उतारने के नाम पर झाड़-फूंक करते हुए गर्म छड़ी दाग दी। विरोध करने पर लोहे की रॉड से पीटा और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया।

मौलवी की बर्बरता से महिला की हालत और खराब हो गई। महिला की स्थिति गम्भीर होने पर स्वजन उसे पुलिस के पास ले गए और घटना की शिकायत की। कोतवाल रिपुदमन सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला को डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेजा गया है। उसकी हालत गंभीर है। घटना के संबंध में पीड़िता के देवर की तहरीर पर मौलवी आस मोहम्मद, धीरेंद्र, साहब व भूरे खां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पीडब्ल्यूडी स्पोर्ट्स को रौंद फाइनल में पहुंचा प्लाजा एकादश

» सेमीफाइनल में दी शिकस्त शाहजेब ने खेली 150 रनों की आतिशी पारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तृतीय श्री जगन्नाथ क्रिकेट कॉरपोरेट टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच प्लाजा एकादश और पीडब्ल्यूडी स्पोर्ट्स क्लब के बीच खेला गया। यह मुकाबला प्लाजा एकादश ने जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर प्लाजा एकादश ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शाहजेब खान ने 66 गेंदों में 10 चौके और 16 छक्कों की मदद से धमाकेदार 150 रन की पारी खेली। कप्तान अतुल सिंह ने तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 18 गेंदों में 40 रन का योगदान दिया। प्लाजा एकादश ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 256 रन बनाए। वहीं पीडब्ल्यूडी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से कमल अधिकारी ने 4 ओवरों में 48 रन देकर तीन विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पीडब्ल्यूडी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से नमन मित्तल ने सर्वाधिक 45 गेंदों में सात चौके और तीन छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। पीडब्ल्यूडी स्पोर्ट्स क्लब निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 161 रन ही बना पाई। शाहजेब खान को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया और उनके कप्तान अतुल सिंह को उनकी शानदार कप्तानी के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

रोडवेज बस ने बाइक को मारी टक्कर मासूम समेत तीन लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फर्रुखाबाद। जिले में रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो वर्षीय एक बच्चा बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

जनपद मैनपुरी थाना कुर्रा के गांव मकियानी निवासी बलराम (38) बाइक से अपनी ससुराल जनपद हरदोई के सवायजपुर से वापस घर जा रहा था। उसके साथ पत्नी वंदना (35), पुत्री मोहिनी (4), पुत्र कर्तिक (2) भी बाइक पर सवार था। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव मदनपुर के पास सामने से आ रही रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे चारों घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। सूचना पर मदनपुर चौकी इंचार्ज अशोक कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। तब तक सभी घायलों को टेंपो से सीएचसी भेजा गया। डॉक्टर ने वंदना व मोहिनी को मृत घोषित कर दिया। बलराम की हालत गंभीर होने पर उसे सैफई रेफर कर दिया। डॉक्टर सैफई भेजने के लिए एंबुलेंस को फोन करते रहे पर फोन नहीं लगा। फोन लगने पर करीब डेढ़ घंटे बाद एंबुलेंस सीएचसी पहुंची तब बलराम को एंबुलेंस लोहिया अस्पताल लेकर पहुंची। वहां पहुंचने पर डॉक्टर ने बलराम को भी मृत घोषित कर दिया। बलराम के परिजनों को सूचना दी गई है। टक्कर इतनी भीषण थी कि बलराम का हेलमेट टूट गया और उसके सिर में गंभीर चोटें आ गई थीं। चालक बस छोड़कर भाग गया। सवारियां दूसरी बस से गईं। कार्तिक को सीएचसी में गांव मुरान निवासी रिश्तेदार घर लेकर चले गए हैं।

» हरदोई से परिवार के साथ आ रहा था बाइक सवार

तेज रफ्तार बस पलटी एक की मौत, 18 घायल

सोनभद्र। जिले के म्योरपुर थाना इलाके में सवारियों से भरी तेज रफ्तार बस देर रात अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया जबकि गंभीर रूप से छह घायलों को वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। बस बीजपुर से दुद्धी की ओर आ रही थी। इस दौरान बभनडीहा गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। मृतक की पहचान दयाराम यादव के रूप में हुई है।

राजनीति में लग रहा हिंदुत्व का तड़का

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र का लाउडस्पीकर विवाद अब यूपी में भी तूल पकड़ता जा रहा है। अलीगढ़ में युवा क्रांति मार्च के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क क्षेत्र में लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा का पाठ किया। हंगामा हुआ पर अफसरों की नींद नहीं खुली। सवाल यह है कि इस मुद्दे पर राजनीति क्यों हो रही है? इस पर वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर दुबे, डॉ. राकेश पाठक, अनिल रॉयल, अरूणा सिंह, तसलीम खान, सतीश चंद्र यादव, हुसैन वाहिद और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

डॉ. राकेश पाठक ने कहा यह सोची समझी साजिश है। आने वाले वर्षों में कई राज्यों में चुनाव होने हैं। यहां सवाल चुनावी मंशा का नहीं बल्कि हिंदू राष्ट्र की स्थापना का है। उमाशंकर दुबे ने कहा, धर्म को लेकर राजनीति हो रही है। अजान कभी टाइम जानने का माध्यम था। मगर आज की जो परिस्थितियां है, वे ठीक नहीं हैं। तसलीम खान ने कहा, अजान और हनुमान चालीसा जैसे मुद्दे को तूल दिया जा रहा, जो गलत है। महंगाई एक मुद्दा है, उस पर बात क्यों नहीं। राजनीति में हिंदुत्व का तड़का लगाया जा रहा है। अनिल रॉयल ने कहा हिंदुत्व मजबूत हो रहा है। अच्छे दिन आने वाले हैं। अजान के खिलाफ हनुमानजी मदद कर रहे हैं। ये कुछ लोगों के लिए जरूरी है। सतीश चंद्र यादव ने कहा जेएनयू के सामने भगवा झंडा फहराए। कैंपस के अंदर शाखा भी लग रही, किसी को ऐतराज नहीं। अजान के बदले हनुमान चालीसा। अपने धर्म का प्रचार करना गलत नहीं पर राजनीति करना गलत है। हुसैन वाहिद, अरूणा सिंह ने भी परिचर्चा में अपनी बात रखी।

गाजियाबाद में तेजी से फैल रहा कोरोना, अभिभावक चिंतित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। जिले में कोरोना तेजी से फैलने लगा है। बीते 24 घंटे में जिले में संक्रमण के 18 नए मामले सामने आए हैं। डीपीएस वसुंधरा में एक छात्र संक्रमित मिला है। इसके बाद स्कूल को बंद कर दिया गया है। गाजियाबाद में अब तक कई स्कूलों के छात्र कोरोना संक्रमित पाए जा चुके हैं।

» छात्र के संक्रमित पाए जाने पर डीपीएस वसुंधरा स्कूल बंद

शासन से जारी हुई रिपोर्ट में गाजियाबाद में 18 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें 12 से 20 आयु वर्ग के 4, 21 से 40 आयु वर्ग के 9 और 41 से 60 आयु वर्ग के पांच मरीज मिले हैं। अप्रैल माह मे संक्रमण के अब तक 73 मामले आ चुके हैं जबकि मार्च में संक्रमण के मामलों की संख्या 195 थी। आए दिन संक्रमण जिले में बढ़ रहा है। डीएसओ डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि जिले में संक्रमण बढ़ रहा है लेकिन अभी भी संक्रमितों को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। मरीज होम आइसोलेशन में ही इलाज से ठीक हो रहे हैं। छात्रों में बढ़ रहे संक्रमण से अभिभावक चिंतित हो गए हैं।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने वाराणसी में किए काल भैरव के दर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू अपनी दो दिवसीय काशी यात्रा के क्रम में आज बरेका गेस्ट हाउस से निकलकर बाबा काल भैरव मंदिर दर्शन करने के लिए गए। इसके बाद काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन करने पहुंचे। मंदिर के अर्चकों ने विधि विधान पूर्वक अनुष्ठान को पूरा कराया।

मंदिर दर्शन करने के बाद उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू चंदौली जनपद के पड़ाव में बने पंडित दीनदयाल स्मृति उपवन गए। उपराष्ट्रपति के दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर

» वेंकैया नायडू ने बाबा विश्वनाथ मंदिर में भी किया दर्शन-पूजन

शनिवार को सुबह 9:50 पर बाबा काल भैरव का दर्शन पूजन किया। महंत प्रवीण कुमार दुबे ने भैरव अष्टक मंत्र से विधि विधान से पूजन कराया तेल, धुप,माला, कपूर की महाआरती कराई साथ ही उपराष्ट्रपति को मंदिर की तरफ से अंग वस्त्र रुद्राक्ष की माला प्रसाद स्वरूप दिया। तथा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंदिर में दर्शन पूजन कर

प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर मौजूद भाजपा के वरिष्ठ नेता व अधिकारीगण मौजूद रहे।

डबल इंजन की सरकार गरीब कल्याण के लिए समर्पित : मौर्य

» डिप्टी सीएम का विपक्ष पर हमला, बोले पहले की सरकारें कर लेती थी बंदरबांट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा तथा विधान परिषद के चुनाव में प्रचंड जीत के बाद भी भारतीय जनता पार्टी का विपक्षी दलों पर जोरदार हमला जारी है। लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मीडिया से वार्ता में केंद्र तथा प्रदेश की सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं को गिनाने के साथ ही विपक्षी दलों के पहले इनके कल्याण के कामों की अनदेखी का बड़ा आरोप लगाया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की गरीब कल्याण की योजनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि कहा कि मोदी-योगी की डबल इंजन की सरकार गरीब कल्याण के लिए समर्पित है। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के आंकड़े साझा करते हुए उन्होंने कहा कि इस पर भाजपा सरकार ने लगभग तीन लाख करोड़ रुपया खर्च किया है। यदि भाजपा के स्थान पर सपा, बसपा या कांग्रेस की सरकार होती तो इसमें से करीब ढाई लाख करोड़ रुपया तो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया होता। केशव प्रसाद मौर्य ने इसके साथ ही तंज कसा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने संसद में कहा था कि कांग्रेस की सरकार दिल्ली से राज्यों को अगर एक रुपया भेजती है, जिसमें से मात्र 15 पैसा ही लाभार्थी तक पहुंचता है। केशव प्रसाद मौर्य ने गरीब कल्याण की योजनाएं गिनाते हुए अपने बचपन को भी याद किया। कहा कि जब वह छोटे थे, तब बरसात होने पर उनकी मां कच्ची छत को जैसे-तैसे बंद किया करती थीं। यह संकट करोड़ों गरीबों ने झेला। उनके कष्ट को समझते हुए कि पीएम मोदी देश भर में इस प्रकार की योजनाएं चला रहे हैं। गरीबों को अब छत मिल रही है। अब भी आसानी से हर योजना का लाभ ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने गरीबों के लिए 44 लाख आवास बनाए हैं।

समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में केंद्र से पैसा मिलने के बाद भी गरीबों के लिए सिर्फ 18 हजार आवास बने थे। केशव प्रसाद मौर्य ने इसके साथ ही शनिवार को प्रयागराज में सात लोगों की हत्या की घटना पर काफी दु:ख दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस घटना के दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

चार राज्यों के उपचुनाव में बीजेपी को झटका!

» शत्रुघ्न सिन्हा दो लाख वोटों से चल रहे है आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में एक लोकसभा और चार विधानसभा सीटों पर उपचुनावों की मतगणना जारी है। पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस आगे है। वहीं बोचहां सीट से राजद ने बढ़त बनाई हुई है। खैरागढ़ में कांग्रेस आगे है। उपचुनावों की मतगणना के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आसनसोल संसदीय क्षेत्र और बालीगंज विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को तृणमूल पार्टी के उम्मीदवारों को निर्णायक जनादेश देने के लिए ट्वीट कर धन्यवाद कहा है।

आसनसोल से शत्रुघ्न सिन्हा करीब दो लाख वोटों से और बालीगंज से बाबुल सुप्रियो आगे चल रहे हैं। शत्रुघ्न सिन्हा का फिलहाल कोई बयान नहीं आया है। जबकि बाबुल सुप्रियो ने कहा कि ये रूझान टीएमसी कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल है। दीदी ने जैसे पूरी टीम को गाइड किया है इसका आभार है। मुझे यकीन था कि शुत्रुघ्नजी भी आसनसोल में जरूर जीतेंगे। चुनाव आयोग के

आधिकारिक रुझान के अनुसार आसनसोल लोकसभा उपचुनाव में टीएमसी उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा 3,75,026 वोटों से आगे चल रहे हैं जबकि भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्र पॉल 2,18,601 वोटों से पीछे हैं। एएनआई के अनुसार बिहार में बोचहां विधानसभा सीट पर राजद उम्मीदवार अमर कुमार पासवान आगे चल रहे हैं। छत्तीसगढ़(खैरागढ़) विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार यशोदा नीलांबर वर्मा आगे चल रहे हैं। जबकि कोल्हापुर उत्तर (महाराष्ट्र) विधानसभा सीट पर कांग्रेस के जाधव जयश्री चंद्रकांत आगे हैं।

फोटो: सुमित कुमार

जन्मोत्सव

राजधानी लखनऊ में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान सेतु मंदिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। जन्मोत्सव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेश वासियों को हनुमान जयंती पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि परम रामभक्त, संकटमोचन, मारुति नंदन बजरंगबली की कृपा सम्पूर्ण सृष्टि पर बनी रहे। सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं आरोग्यता का वास हो।

महापौर संयुक्ता भाटिया का सफाई निरीक्षण अभियान जारी, कहा-

क्षेत्र की सफाई कराकर नालियों की फोटो भेजें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया का सफाई निरीक्षण अभियान जारी है। राजधानी लखनऊ में आज सुबह उन्होंने प्रतिदिन के सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के क्रम में हैदरगंज तृतीय वार्ड के नरपत खेड़ा, हंसखेड़ा और पारा में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर को उक्त क्षेत्रों में कई नालियों में गंदगी पाए जाने और नाली चोक होने पर हैदरगंज तृतीय सुपरवाइजर सुरेश पाल का 15 दिन का वेतन काटने एवं कार्यदायी संस्था एफबी ट्रेडर्स पर दो लाख रुपए जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

इस दौरान महापौर ने इन क्षेत्रों में सफाई कर्मी बुलवा कर अपने सामने सफाई भी कराई और समस्त क्षेत्र की सफाई कराकर नालियों की फोटो भेजने के लिए निर्देशित किया। साथ ही तीन दिन पूर्व हैदरगंज द्वितीय वार्ड में निरीक्षण के दौरान गंदगी मिलने पर संस्था सुभ इंटरप्राइजेज पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाने के निर्देश के साथ ही एसएफआई सतेंद्र कटियार से पूछताछ की थी। एसएफआई ने बताया कि वार्ड में लगी कार्यदायी संस्था के 20 से 30 कर्मचारी लगातार अनुपस्थित रह रहे है और संस्था कर्मचारी पूरे नहीं कर पा रही है, जिस पर महापौर ने 2 दिन का समय भी दिया था। लेकिन आज तीन दिन पश्चात भी उपरोक्त संस्था द्वारा कर्मचारी पूरे नहीं किए जा सके। इस पर महापौर ने समीक्षा करते हुए हैदरगंज द्वितीय वार्ड से कार्यदायी संस्था शुभ इंटरप्राइजेज को निलंबित करने के निर्देश नगर आयुक्त को दिए।

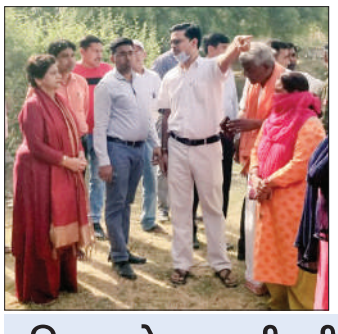

निगम के 25 फीसदी कर्मचारी दफ्तर से गायब

नगर निगम में दफ्तर आने के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों के गायब हो जाने से वे लोग परेशान होते हैं, जो अपनी समस्या लेकर कार्यालय पहुंचते हैं। दो दिन के अवकाश के बाद भी अधिकांश कर्मचारी शनिवार को दफ्तर समय पर नहीं पहुंचे। सुबह दस बजे नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी ने नगर निगम मुख्यालय के सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया तो ज्यादातर कर्मचारियों की सीटें खाली मिलीं। नगर आयुक्त ने सभी विभागों के उपस्थिति रजिस्टर को जब्त कर लिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।